Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org
|| जय बाबा स्वामी ||
|| Whole World is a Family ||

ॐ

16.1.2014
गुरुवार

सदगुरु वाणी -(1)

सभी पुण्यआत्माओ को मेरा नमस्कार - - -

श्री गुरुशक्तीयो की इच्छा से ही आँठवा गहनध्यान अनुष्ठान प्रारंभ हो पाया है। "आठ मंगलमुर्तीयो" का जो संकल्प लीया था। वह इस अनुष्ठान पुर्ण होने के साथ पुर्ण हो जायेगा। इस गहन ध्यान अनुष्ठान मे "मेलबॉर्न ऑस्ट्रेलीया" के श्री गुरुशक्ती-धाम हेतु श्री मंगलमुर्ती की प्राणप्रतीष्ठा की जायेगी। अपने "शरीर भाव' को क्रमबद्ध तरीके से धिरे धिरे कम करना और आठ स्तरो पर विभाजीत कर उसे "शुन्य" कर देना। और शरीर भाव से पुर्णतह मुक्त हो जाना। इन गहनध्यान अनुष्ठानो का मुख्य उद्देश था। और वह उद्देश इस "आठवे अनुष्ठान" के साथ ही पुर्ण हो जायेगा। और मै उस "मुक्त अवस्था" मे पहुच जाऊँगा जिस अवस्था तक पहुचना प्रत्येक आत्मा का उद्देश होता है। इस लीये यह अनुष्ठान और भी अधीक महत्वपुर्ण है। और जो पुर्ण समर्पीत साधक है। वह जब माध्यम के साथ एकरूप हो गये है, उनका अपना कोई अस्तीत्व

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| जय बाबा स्वामी ||

|| Whole World is a Family ||

बचा ही नही है। उन्हे भी यह स्थिती सहजता से प्राप्त हो जायेगी और जो समर्पीत साधक है। इनमे क्रमबद्ध तरीके से प्रत्येक गहनध्यान अनुष्ठान मे बदलाव आया ही है। अगर आप मे नही आया है, तो आप ~~स्वंयम~~ अपना "आत्मपरिक्षण" अकेले मे बैठ कर स्वंयम करे।

आप अपने आप से प्रश्न करे क्या मै "नियमीत" ध्यान करता हु। क्या मै "सामुहीकता" के साथ जुडा हु। क्या मेरी सामुहीकता "पवीत्र आत्माओ" की है, समर्पण की गंगा मे "पवीत्र घाट" भी है, और "गंन्दे घाट" भी है, गंगा को सभी को साथ रखना होता है, लेकीन आप स्वंयम पवीत्र घाट को चुनकर वहा "स्नान" कर सकते है, सदैव अच्छे साधको के साथ रहो अच्छे साधक की सरल पहचान है वह दुसरे के "दोष" नही देखता और न उसकी चर्चा करता है। और न अपने किये गये "गुरुकार्य" का प्रदर्शन करता है।

गहनध्यान अनुष्ठान वह "पवीत्र पर्व" है, जीसमे नियमीत ध्यान करने वालो की संख्या अत्याधीक होती है, जो नियमीत ध्यान नही करते वह भी इन ४५ दिनो मे नियमीत ध्यान करते ही है,

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| Whole World is a Family ||

यह अनुष्ठान शरीर भाव विलीन करने का अंन्तीम चरण है। इसी लिये "समर्पण परिवार" को अगली पिढ़ी तक पहुचाने के लिये मै श्री अनुरागजी और श्री अंबरिषजी को और कु. शाश्वती को अपना "उत्तराधीकारी" घोषीत करता हु। श्री अनुरागजी और श्री अंबरिषजी आध्यात्मीक विकास और प्रशासकीय कार्य, को देखेंगे और कु शाश्वतीजी शिक्षा क्षेत्र, और समाजसेवा, के कार्य को देखेगी।

अब समय आ गया है, की अगली पिढ़ी तक यह गुरुकार्य हमे अगर ले जाना है। तो वह पुर्णतह अगली पिढ़ी को ही सौपना होगा पिछले दस सालो मे सारी "दुनीया" ही बदल गयी है।

आज की युवा पिढ़ी को टेकनोलॉजी का ज्ञान है, नया उत्साह है। नयी चैतन्य शक्ती है, आने वाले गुरुओ के लिये यही युवा वर्ग "मार्ग" बना सकता है। हमे केवल हमने पिछे रहकर उन्हे आगे आने का अवसर देना चाहिये इस लीये इस की शुरुवात मै अपने ही "घर" से कर रहा हु। "अधीकृत" शब्द पर ही सारा आध्यात्म टीका हुआ है, जैसे ही मैने उन्हे अपना "उत्तराधीकारी" मान लीया तुरन्त गुरुशक्तीयो का प्रवाह उनकी ओर बहना

// जय बाबा स्वामी //

Shree Shivkrupanand Swami

'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| Whole World is a Family ||

प्रारंभ हो गया अभी हाल ही मैं इन दोनो भाईयो का फोटो "एक जैन मुनी" के साथ खिंचा है, उस "फोटो" मे यह चैतन्य का प्रवाह स्पष्ट दिखायी देता है,। अब समर्पण का भवीष्य उन्ही के हाथो मे सौंप कर मैं पुर्णतह निश्चींत और मुक्त हो गया हुं।

अब उन्हे अधीकृत रूप से गुरुशक्तीयो ने घोषीत करने के बाद उनके उपर "टिका टिप्पणी" करना याने "गुरुशक्तीयो" पर "अविश्वास" करने जैसा है। आप सदैव इससे बचीये क्योकी अब गुरुशक्तीया उनके माध्यम से ही कार्यरत होगी। अब उनकी गती के साथ आपको चलते आता है, तो चलीये अन्यथा घर बैठे और समर्पण के लीये "प्रार्थना" करे। यह सब स्पष्ट करना आवश्यक हो गया है। क्योकी हो सकता है, की यह आखरी "गहनध्यान अनुष्ठान" हो क्योकी मेरा तो आठ मंगलमुर्तीयो को स्थापीत करने का संकल्प था, और वह कैसे भी परिस्थीती आयी तो भी वह मैने पुर्ण किया- प्रत्येक गहनध्यान अनुष्ठान मे सारी, ऐसी, खराब परीस्थीतीया निर्माण हो जाती है, की गहन ध्यान अनुष्ठान से बाहर ही न आये।

इस बार भी ऐसी ही परीस्थीती निर्माण की गयी है। पुराने जमाने मे जब ऋषीमुनी हवन पुजन करते थे तो राक्षस आकर ठिक "हवन" के समय, हवन मे "मांस" "हड्डी" डालकर हवन भंग करते थे। आज भी वह "राक्षस" विद्यमान है। हाँ, लेकीन आज "ॐ" के साथ "जीवीत" भी प्रगट होता है, राक्षस कोई अलग आकार के नहीं होते राक्षस एक "वृत्ती" है। जो "नकारात्मक" विचारो के माध्यम से ही बढते रहती है।

यह राक्षसी प्रवृत्ती वाले लोग हमारे आसपास भी होते है, जो सदैव "नकारात्मक" बाते करते है, और नकारात्मक है, जो सदैव "नकारात्मक" बाते करते है। ऐसे नकारात्मक विचार करने वालो का प्रसार करते है। ऐसे नकारात्मक विचार करने वालो से बचे भले ही वे "साधक" के "वेष" मे क्यो न हो।

इन अनुष्ठान के दिनो मे आप अपना चित्त भीतर और भीतर ले जाने का प्रयत्न करे तो आपको आपके ही दोष दिखना प्रारंभ हो जायेगा, और दुसरो के दोष दिखना बंद हो जायेगा। आप इन दिनो मे "मै एक पवीत्र आत्मा हुँ। मै एक शुद्ध आत्मा हुँ।" मंत्र का जाप सतत करे।

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

॥ जय बाबा स्वामी ॥
|| Whole World is a Family ||

ऐसा करने से एक ओर आप का आत्मभाव बढेगा दुसरी ओर शरीरभाव कम होगा। और जब आत्मभाव बढेगा तो जिवन की सभी समस्यायें समाप्त हो जायेगी, आपके शरीर के विकार स्वंयम ही समाप्त हो जायेंगे।

इस गहनध्यान अनुष्ठान का उपयोग "समर्पण" के लीये करो आप का समर्पण जब ऐसे माध्यम के प्रति होगा जो लाखो आत्माओ ने अपनाया मार्ग है, तो आप भी उस माध्यम को अपना कर उस स्थान तक पहुचोगे जीसे "मोक्ष" करते है। इस समय पवीत्र समर्पीत आत्माओ की सामुहीक शक्ती मोक्ष प्राप्ती के लिये कार्यरत है, आप को उसमे शामील होना है, यह आप अकेले न पा सके है, न पा सकेगे। दिन प्रतीदिन हजारो (विश्व मे) आत्माऐ जुड रही है। यह पवीत्र आत्माओ का समुह है, इसमे पवीत्र आत्मा बन कर ही जुडना होगा। हमे पवीत्र आत्मा बनना ही होगा।

Shree Shivkrupanand Swami
'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari, Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| जय बाबा स्वामी ||
|| Whole World is a Family ||

जिस प्रकार हमे शरीर मे कही चोट लगती है। और हम उस चोट की ओर "अधीक" ध्यान देते है, तो वह चोट का दर्द और बढ जाता है, ठीक इसी प्रकार से हम हमारे शरीर के व्यसनो, की ओर अधीक ध्यान देते है, तो व्यसन, बढ जाते है, विचारो की और ध्यान देते है, तो विचार, बढ जाते है, विकारो की ओर ध्यान देते है, तो विकार, बढ जाते है, मेरी उम्र अधीक है, और इसी लीये मुझे अधीक ज्ञान है, यह भी एक "अंहकार" ही है, इस अंहकार के विकार को दुर करे। क्योकी यह 25 साल पुराना अनुभव और ज्ञान आज के पिढी के कुछ काम का नही है। आज समय बदल गया आज के पिढी का ज्ञान ही आज के समय उपयुक्त है, आज के युवा वर्ग के साधको को सभी जगह आगे आने दे, आप उनसे "प्रार्थना" के माध्यम से जुडे उन्हे कार्य करने दे। और वैसे भी "कैवल्यकुंभक योगीयो" का उदेश अच्छे माँ, बाप समाज मे निर्माण हो यह है, तो उनको आगे आने का हमे अवसर देना ही चाहीये।

Shree Shivkrupanand Swami

'Samarpan Bhavan', Eru-Abrama Road, Near Gandhi Smriti Station (W),
Eru, Dist.-Navsari,Gujarat - 396450. India. Phone : 02637 - 324755 / 093288 10888
Website : www.samarpanmeditation.org

|| Whole World is a Family ||

लेकीन जब तक हम "खुर्सी" छोडेगे नही वे उस पर
बैठेगे कैसे हम कितने भी अच्छे हो हमारे बच्चे
अच्छे नही हुये तो यह हमारी "प्रगती" नही "अधोगती"
है, इस लीये अब "युवापिढ़ी" को प्रोत्साहीत करे उन्हे
आगे आने दे।
मैंने अपने बच्चो से भी कहा है। की जिवन भर की "तपस्या और
साधना" करके जो "बहुमुल्य सिंहासन" का निर्माण कीया वह सिंहासन
तुम्हे "उत्तराधीकारी" घोषीत करके तुम्हे सौप रहा हु। इसकी "पवीत्रता"
और "शुध्दता" बनाये रखना। इसे अगर तुमने गंदा करने का
प्रयास किया तो मै तुम्हारा भी विरोध करुगाँ और अगर कोई
ने इसकी ओर कोई "गंदा छिंटा" भी मारा तो भी मै उसका
भी विरोध करुगाँ। क्योकी इसे तुम्हे अगली पिढ़ी को ज्यो का
त्यो सौपना है, यह मेरे गुरुओ की धरोहर है। और तुमने
मेरे घर मे जन्म लिया है, इसको मै ईश्वरीय संकेत ही मानता
हु। आप ने जैसा मुझे साथ दिया वैसा ही समर्पण परीवार की
"समस्त युवा शक्ती" को आगे लाने के मेरे इस प्रयास मे
भी सहयोग करे यही आपसे प्रार्थना है, आप सभी को
खुब खुब आर्शीवाद

आपका
बाबास्वामी
16/1/2014